

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अथ श्रीमद्भगवद्गीता

प्राथम्ये

अथ श्रीमद्भगवद्गीता

प्राथम्ये

अथ श्रीमद्भगवद्गीता

प्राथम्ये

अथ श्रीमद्भगवद्गीता

प्राथम्ये

अथ श्रीमद्भगवद्गीता

प्राथम्ये

अथ श्रीमद्भगवद्गीता



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीमद्भगवद्गीता ॥

गच्छन्तं न स्वस्वानीयं न जगत्पदं ॥ ब्रह्म कुरु मे हि पुं ॥ अथिना यत्र द
हि मे ॥

मलवमंसं ३ पिपत्रिमंसं ३ ह्युधिमंसं ३ हतउमंसं ३ संधुमंसं ३
कसलमंसं ३ मनथिमंसं ३ हुकमालमंसं ३ धतकसामंसं ३
थर्तवृक्षमादानकः सलसं दया ॥ ॥ पात्वः लिमनाजः
हततिः वसावकविः १ मदाग्निः १ थर्तवृक्षमादः धतसवा
नानकं सथं वरुनिः सलसं दया ॥

ॐ धन्वन्त नायनम ॥ ॐ नृयानन्द (गविन्द) नामाच्चात्तनरुषर्जः । नः
त्यन्ति सकला भागाः ४ सत्यं सत्यं वदाम्यहं ॥ आदिर्ह्येता यदीदृशं दलुपालिम
हृत्तव्रतं । यत्रैवान्नस्य नानिर्ह्येता विरुस्य विना सथ ॥ धन्वन्त विदिवादासः ४
काशीनाजस्रथः २ विनो ॥ नकुनः ४ सहदवथः सकेतयाधीद्यातकः ॥ वास
ननकः २ ॥ ॥ नसायनवसिद्धानां दवानां मित्रं मृती । स्वदशार्कः
मनागमर्षः १ रुषश्च मिदमनुत ॥ ॥ नात्रिरुदयाज्ञाय ॥ कनसायां गुह्य
मूलयां धमनिजीवसाक्षिणी । नञ्चसुयासुखं दृष्टं १ रुपकायस्य पति

ने॥ नाडिधरुमन्त्रोप जलोकास्यथागतिं॥ ॥ साहाय्याकासायाहास
नाडीजीवयासाक्षिणी धनाडीयासाहवन मन्त्रययासबिलया सुखनी
दृखनीहानिनाकनस्य॥ नाडिनवाकापस्यदावयावंगसर्मवंगः
निधनसहन॥ ॥ वातकसुयानिदान॥ ॥ वपथुविषनावग कलि
सुपत्रिः सधनी निदानासः सवसुहा मजनासायभवव॥ निनाहस
उन्वकं वेनस्यमरुविकर्ता गृवासानजहनधरु वनीनजकव॥ ॥
कौडयू कसुनववग कधुनां कथुनिनांगनिव कउमदयूव हाककाः

सवयूव कौज्याडयूव लूकजयू माउस्याक नगउस्याक कौस्याक कूथ
मसाक विस्साकथिन यनस्याक यनदाव वाकासुडउडा वातकसुस
थथरुयूव॥ ॥ पिरु कसुयानाडि ज्ञाप॥ कर्लिंगकाकमडुक गतिं
पिरुयकापन॥ पिसु कटि काष यादर्वदर्थ सानिव थथरुसनावपि
रुकापनयूस्य॥ पिरु कसुयानिदन॥ वगसिद्धातिसावय निडाधर्त
नथवनि। कल्लसुखनासाना याकः एव दधेजायत॥ यवापावकुः
कउता मूडादाहामदसुतो पिरुविमूजनस्य पतिकयमभवव॥ ॥

[illegible]

शिवा। गेनर्वगीतमूकदी। नामहर्षतिनिदना। प्रतिष्ठायात्रविकास् करु
 अह्नासुकवता॥ ॥ कूथूनकासनमिखान् लाउ। क्रि। स्वाविहायिव् पाक
 यविनहाथ् रुचरुवपू। नूनस्यदयू। कूथूनसाक। वाक्यू। मूउविह्नाभा
 यूव। कूपाह्। नयमययूव। कूपाह्। स्वाह्। कवस्यंथानउयू। विमकीदि
 वयू। कूउदयू। कासह्उह्उ। कयूवन्विमह्। भासाकवयू। मिखाभायू
 यिव् धत। लूभायास्वराव॥ ॥ ईदयानाति॥ दयालकलगनाति। सास्म
 नाईदवाहिली॥ ननाननायालकलदननावईदवाहिलीनाति। कयू

वडा ५। ३। ४। ५। ६। ७। ८। ९। १०। ११। १२। १३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

वातवपिरुवसुकलसनाव वातपिरु कलनाडि सय ॥ ॥ वातपिरुया
 निदान ॥ हृषामूर्च्छा रुमादाह स्वप्ननाभमित्रा नृजा । कलस्य स्वस्वमथुसा
 मरुषा विविहम । पर्वरुदश्च नृराय वातपिरु कलनाडि ॥ प्यासवायव
 नृगमउमच्छिनिव यिक हय कूठमदयव भाउस्याक कधूर्च कथूर्ना
 गमनिव अकिलअयू नृविमद् मिहिव नृवि नृवि स्याक वाकालउडा
 अ वातपिरु सथथे रुयव ॥ ॥ वातयाव नृषयाव नता नता सकलाह
 ननाव वात नृषया नाडि सय ॥ ॥ वात नृषया निदान ॥ नेमिह्य पर्व
 वद्यालयाता । त्यादूमलरुता थन चूर्नया दं पाय विन दा क यानास

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अहंदा, निजा गोत्रवधववाशिसाग्रयति स्यात् काससादायवर्हनी। सक्ताः
 यामध्वयमन्ध्रवातप्लुष्यद्वलाकृति॥ क्रासनक्रिआआ, क्लूथूनसाउआआ
 मिखानखाविआआ, नूठिनूठिस्यायू, कूउमदयूव, क्लूयाउयूव, भाउस्याः
 कक्रासहउहउधव, मासाकवव, वसुतिमहाव, क्लूमध्वग, वातप्लुष्यः
 सथथेहयू॥ ॥ पिरुयावप्लुष्ययावनताप्रतासकलदतनाव, पिरुप्लुष्यः
 अक्षय॥ ॥ पिरुप्लुष्यनिदान॥ सिर्पंतिकास्यतातन्दा, माहकाप्लुष्यविस्ती
 षा। मूहदाहामूहगीत, प्लुष्यपिरुद्वलाकृति॥ क्लूथूसंखाउनयाथेहानि

व मासाकडायू वृविमद् व्यासवायिव उद्गुर्नहमसमधायिव उमुर्नः
विहिनअनिव पिहल्लस्यसथथरुयवा ॥ सन्निपाटयानाडि ॥ लोवा
निति विवर्हका गमनं सन्निपाटका कदा वित्मन्दगमना कदा विवृगवाहि
नी ॥ लोवतिहल्लवर्हकावदर्थमुनिव एगवससंसासाहानवनिव एगव
ससंवगनवनिव उमुकनंसियमदयूव थथरुल्लनावसन्निपाटसंथा ॥
शिवसासाथनरुप्रा निडानासहडिवथा स्वेदमूरुयूविषासी विनादर्श
नमयगा रुषत्वं नातिमाजसी प्रतर्ककरुऊर्न ॥ काथनार्ग्या वसका
मलवग्ग ॥ डंसि वूवूरि पालात्य धनवूनिया दंतानके खालागोग नांस

सी मलुवासीवदर्शनी मूकत्वं एतत्संपाक गुवृत्वं मूदं वगव विवाया क
म्यदा घासी सन्निपाटकवाकृति ॥ ॥ माउसानके ययूव व्यासवायू कड
मदयूव नू एगउस्या क वल्लतिर्नमूरुनं स्वाविनेर्ननयू विशयकासखी
नदयू नूतिक्कमगव कल्लसहउहउधाय ववृत्तस्यवाकहाताहा
ता काथसर्वनदयूव असहासमूउहनन्वायू कूउसक्काससकक्कडा
यू यतज्याडयिव दाषल सन्निपाटरुयूव धनसन्निपाटयालकलस
य ॥ ॥ रुतथतादिदवदाघनयानाडि ॥ नूगलु कलीधधयाथे नानाः

सिद्धाधुनि। दीक्षयन्त। निवन्त।
न्या। धु। न्। नैऋतं नैऋतं ॥

शवनसन्निवत्थत्थकलनावरुणप्रतादिदवदायलस्य ॥ ॥ हतवि
 श्यानिदान ॥ ॥ कलकायउधमनि साह्वदवगवतिहव। कामकोध
 ठगवति किनाविनाहयापूता ॥ कलकायलस्यदावनाडिवगनसनि
 व कामसकसंकोधसंवगनसानिव विनासग्ययू नाडिकलननक
 स्यसानिव ॥ ॥ हताहिषंगुध्वलस हासंजादनकंधनी। कामलक
 यावायू कोधपिहं जयामता ॥ हताहिषंगं कूषमी हतसामान्यलकली ॥
 ॥ ॥ हताहिषंगमनकलउधग हसी स्वायू कंभायू कामस लकस रु
 सादूसगुठि वाताज्जासाथन भायस्याकया त्रिषाषनास

विश्व कथयति यममात्रं यममात्रं

॥ ४॥

ॐ यन्नाथ न, कु कु या य, का सि सं जय मा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥३॥

हिंवासाखलदादयानाषधि॥ ॥ उठिर्मनमसुवचरूपकहावधपातकउ
लवहत्ताव२३कम्यास१ साखल२० थनवनयाहनयम५ वातपिरुहवस
नूनिमन्दवल्लूषिके समसाखलवान॥ ॥ तासिसुर्वलावावनजिसि
सदेवे मसुव पिपलि उठि लवहत्ताव चरूपकहाव गुकम्यास पातक थ
तसमलग साखलवद्धि वासलवद्धिनपकाहनय वातपिरुनास नू
विकन सुनिकन॥ ॥ सठिवाल कौ० क्रिया साखलसमलग याहनयम२
खलसवाल युनियात वालानयाउहम॥ ॥ नखासयाहा नूवलसिः

अनुयाया। वृत्तान्त। कथनं धर्मव

वाग्मदमो नस्या लक वात वीजपनमश वृष्टिकलनउक्त
याथास साइइननस्य कलिकाद सिंगसुपवर्षं गनकं तय वृष्टिकलनउ
रुम ॥ ॥ त कनायथाहा र्यउं गवकास्यं नस्य नगयाद थवमसिलनहास
थं त कनायथाहान मं सुरुलसा सिथलनप्यं मं स थननयावसीवमं स
गयाय वं स ८ म न व ता स विन्दु पतन मरुत्र का पा स न ८ स नास्यं सी हा ग
याय पतनयाय रुसनाववं स ८ त ॥ ॥ दिगुल न्नाउ स उउउ सोध
ननस्य पाय वाग्मउभाउ स्या कना स लक वातन स्या कना स ॥ ॥ म न सिन
पिपसि उखाउ मसव साधनन स्यं क्ना स स थं द न व द्धि भाउ स्या कना

रस्यं मने

नैयारं पाय पा प्या न डा कना नास

मिषा स्या करेति ताव पुन व वया पिचल तावयांक दु व वयां प्रंदपत
स ॥ ॥ स्वत नूपनादि तयाहान सपनयाद व द्धि भाउ स्या कना स ॥ ॥ स्वत
नूपनादि तयाहा क्ना स स थं द वा ग्वखव विना स्या कना स ॥ ॥ अ क व च न
स धूर प क्ना विज ३ ह न उ ३ थ न व हि नि द य क वा स स इ इ न न य थ व ति
नि अ स उ न व वा स इ इ स वा स न व नू द प स न स थ क न स्व ति द व स्व
विहाव पिचल हाव क क्क आ आ थ न सी न व ॥ ॥ गुं ज या हा वा न सा इ इ न न
य व हि नि द य क थ न अ स स्व ल ता खि द्द उ र्वं स न व ॥ ॥ म ही जन ह ल
न या व क हि न वा सा व मि स थं न मिखा स्या कना स ॥ ॥ म ह नि क्ना इ न स

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कउवि कमुवि कर्पूव स्वयउसि विपस्वयसु लमसु कयाव समरुग मिसा
 हावयासाह ॥ ॥ ॐ छिमीन कमुवि स्वयसु धन वासुव वकनदाय कं क्वा
 य कक्या वासुस ॥ ॥ सुवदजितहासु सुवदत्ताव सुकन्यासु वहा ॐ म
 नि वासिद्यानि दृष्टाय धन वासुसु वकनदाय कं क्वा य वातया उरुम ॥ ॥
 ॐ मनि सुवि विपसि मसुव पासुस धन समरुग साकया ॥ ॥ आदृतसु
 पवाक लमसु कर्पूव कमुवि धन वासुसु वकनदाय कं क्वा य मिखाया ॥ ॥
 ॐ छिमिन आदृतसु स्वयसु धन वासुसु वकनदाय कं क्वा य धन कनसा

भावादयु साकनामनात दं सया मिसासाक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सु ॐ छिमिन नक्षाय वासुककुनास ॥ ॥ रुटिमनाहा वृक्ष्यादाव धसक
 नकावहास्यमान मावादयव ॥ ॥ सदर्थरुं वि विपसि मसुव ॐ मनि
 कर्कटासि मिसा ॥ धन वृक्ष्यादाव पसाद वाकसु लम उविदावन कं साक
 नायनास ॥ ॥ ॐ मनि सुवि विपसि मसुव हिं गु वउवि वहा हसु उ
 ॥ समुद्रहसु धन वृक्ष्यादावन कं रु सया रिह ॥ ॥ वायाइइ निम्मवि क
 मुवि नर्तजात धन नायकादाव पथमपूउवृडा कं याइइ सवृसाव मि
 खासर्थन मिखासुधयाववया ॥ ॥ निम्मवि नर्तजात धन पथमसुका

या. रवा. ज. ग. ज. म. ज. म. ॥

मिषास्याक नोदवया कपतया थुकनादभानस्या
यवूजान्याइइसवूलाव मिखासथंन मिखासधापाववया ॥ ॥ नूकक
लाहा कूटपउगम मिखास्याकया ॥ ॥ निम्बलाहा हकजिसि निम्बह
सूउ धनवास्तुदावकनअ कागतिस्ववृतिवउतिदायकंछाय इउकंन
स तादवयाउरुम ॥ ॥ पाताकउनस्यपाय मंदवका कपतघालना
स ॥ ॥ सवलाखाथसयाहा नस्यपाय थुकया साउ पिहाववया मोस
याकया धननास ॥ ॥ हाकूहामससाइइननस्यपाय वासासनयूक
याउरुम ॥ ॥ नूलास्यापसाधननस्यपाय मोउककुनास ॥ ॥

थवकानअदया यानूमाचिकु कस्त कसया
खाअ कंविहसूउ गुऊगु उरि समरागकाकदास्यंनानकं पिरुहसनास
॥ ॥ उरि पूसानवाक वोवानिननस्यंनानकं यानूयउरुम ॥ ॥ सीरु
तसयापा मसव धनतावूरुयाहनकंविहसूलायनास ॥ ॥ सववाहस
जिसि पिपसि मसवधनवूरुयाहकसिनवासनकंथवकाववदया ॥ ॥
पासाउवति स्वयसंरिमि जिहसा हकजिसि खाअ धनकाकदास्यं
नानकं कसूनायनास ॥ ॥ रिमवाजनस्यपाय धयातलसवकनसाय
मास धयादवनइधसहसनवासनकंनयदिन १४ सपनकसूया ॥ ॥

रघुपति कर तले ॥ पाय पापि राजा न कोक

सुतिका

मिस्याक विकुलाम

केशी

पितृजाल

मनिखान जिनि यमखासु स्या धावि वउवि स्ववाहसु धनवर्षकाका
संखसहास्यमानक सुतिका नास ॥ ॥ हिमवाजहा नस्य धसनवास का
कदास्य काससथंठ वातरुस सुषम कलनास ॥ ॥ व्याससाषथंठ कर्णः
भूजनास ॥ ॥ मृत्ति जमस स्यापूननस्य साषथंठ कसुनक्रिववनास
॥ ॥ अहिलहा नस्य कलिनवास साषथंठ कर्णभूसनास ॥ ॥ वकचद
नकलिसवासथंठ मिस्याक नास ॥ ॥ जिकर जिहसा उरुसहा कूट न
सांजन धनवह निदयक अस मिस्याक नास ॥ ॥ ददकासु काथय

हृष्य जाल

आनास ॥ १ ॥

स उपसहा मद्रुसियाक वकचदन ग्रीखलु रूषिमिमधुस धास समरा
गलखनदिस्यमानक पिरु कननास ॥ ॥ दवात्ररु धिर्यगु स्वाडा न्नादस
कदक मंस ५ धनलखदाय पिरु कलनास ॥ ॥ पूषनामस कटकिलि
ठि गुठगु मंस ४ लखदाय सुषम कलनास ॥ ॥ जिलीम नूपकल नर्मनका
प्रवासमंस ५ लघठ स्वावर्मन जितहास मंस ५ लवाठ मंस ४ गुकम्यास मंस ३ पिपलि
मंस ३ पातक मंस २ साखस मंस ३० धनवर्षयाद साखसनवासावनय दिनपति
मंस ३ नयानविकु लायनास ॥ ॥ साखस मंस ३ नवल मंस २ दवदानर्म २ का

विक्रलाय काम पेतेनाया

चित्त कल, वातवीय

लवा सम २ गु ठि म २ सा ख स १ क हिन वा स न दिन थ ति म ३ न यान विक्र बा
य ना स ॥ ॥ ह ३ उ व ह ३ उ मि वा वि म म ग ग व न या ह क हिन वा
ला व न क विक्र बा ग ना स ॥ ॥ जि ह सा धा न या ह क हिन वा स न क वि
क ला य ना स ॥ ॥ पि प सि म ३ म स व ४ गु क म्या स १ स व ४ १ जि त हा स १
ध न न छि वा का ल वा स या वा ८ ल ख न नि स्य १ म उ वि न ग न क त य दि न
प ति ग व २ न यान विक्र ला य ना स ॥ ॥ प ३ उ प सा ख स व न स्य ना न क
पि ह ला य ॥ ॥ ला न् न व य ग न्ध जि ह सा गु उ गु व सि ल ख न न स्य क

र मि म न न य वि

आम स न या

स स प न या य पि ह क स ना स ॥ ॥ म स व पि प सि गु ठि जि सि ह क जि
सि ० म नि स्य ध स म ग ग व छि हि ह न य व ल्प या ह ध स न वा ला व का क
जा स पू ह प्र थ म क व स स न हि गु वा छ न्नि म द व य वि क ॥ ॥ गु क म्या
ल स व ४ न्ना उ स वा क न ल ख न न स्य ना न क का स ना य ना व ना स ॥ ॥
हि गु स्य ध व ० म नि ० का ध न स म ग ग व ल्प का क ल ख स हा स्य ना न
क वा न वा या स ॥ ॥ गु उ गु गु ठि व ल्प या ह पा स का स हा स्य ना ह न्ना म
पू स ना स ॥ ॥ सा हा न गु ठि व न म ८ धा स ल ख प मि सान वा म ला द य

अत्रि

मिनयूकया

द्विवदक

हीनजावया

कंसद, वाससहास्यमानकं नृजिर्नुनास ॥ ॥ उमसहास्यस, मसु, वासा
हान, ॐ वि, मसुवसमरागकस्तिनवासनकं दिनप्रतिमं ४ नयान, रुस, ना
मसुवनास ॥ ॥ दीदातपसहा, नृपामार्ग, सारुवहा, विवाकं, नृसुध, नृ
जिर्नुनास ॥ ॥ कूरविज, नृतिथस, मसु, कसुति, वास, गुल्वापद, नकच
दन, धसिखान, कस्ति, धसुखासा, वासासुव, पूवाकससातिसहास्य,
कस्तिरुतिनय, धतनादान, यतसायया, हीनजावनास ॥ ॥ खकनपा
न, रुकजिस्, पासुधि, साधननस्यं दायकं दायकं पाय, कं तापं स्याकना

क्रासाकया

अनस्याकया

द्विवदया

दूतकवृथातलदग्

स ॥ ॥ कवसिकउ, ॐ छिमि, कस्ति, धसुखासा, गुल्वाउ, पूवाकससा
तिसहास्यं कस्तिरुतिनय, धतनादानवादिथवसनास, रुसवस, पिरुव
यतस्याकयायनास ॥ ॥ ॐ छिमि, प्रीखु, सता, कंचरुवदि, धतलंख
ननय, धकनय, लंखप, मिनयूकयासनास ॥ ॥ कृषिखानसास, हा
मन, कंचरुवदि, निम्ब, मनासासहा, लंखननस्यं पाय, द्विवयकं ॥ ॥
ॐ छिमि, सिध, धतधकनदायकं दाय, रुस, रुसककू, पातलदग्नास
॥ ॥ सावाकस, रुनउ, पिपसि, धतक, धतकाकलंखसहास्य, तानकं

कामादिजोवया

मानकं किमिनास ॥ ॥ जमाहासावासावपाय द्वाकया ॥ ॥ मस्यव
सावपाय माय द्वाकया ॥ ॥ चकस्वाननवाय नूथवाथथयाय सा
यनमहामक ॥ ॥ उवकवासननवाय सुउथानमहावके ॥ ॥
यावसावपाय हान द्वाकया ॥ ॥ महुसिवसावपाय विन द्वाकया ॥ ॥
नृष्टिकनृष्टिकधय विनमहायिव धयानेहानसा अविद्यामाउमत
द्वि१०० कान्तुसाववनिव ॥ ॥ गुउपमससनिर्ण द्वाकनदायकं द्वा
यद्रसक्तिजावनास ॥ ॥ द्वाकन कूदनकपाकयाद तावाहासका

भायसाकया यजिर्क हा कवव मा शावव दूतभासा

स्यं कसवासुस्यं उल्लुनववसा निव ॥ ॥ श्रीखलुवासाव पाय भाउ स्या
कनास ॥ ॥ काथपसयाहा वासाव पाय भाउ स्याकया ॥ ॥ ग्वस साहा
नसा खलुनयान भाउ स्याकनास ॥ ॥ नूपा माग्नेयाहा नूपां एय ध्व एय
नादिन गहन संकाकि नूगलुना दिह्य नूमावा स्या पनिगी धनसक
नासा कूद्र एय गुगु सिधूपक जिव विद्य धनका भाउ स्याकया ॥ ॥ पि
पसिहल उ कसुलि साहान उति वउ वि समराग वा नयाह काकर्स
सहास्यं नानक नूजिर्ननका दवनास ॥ ॥ यसा पिपसि गमघास

तलरिन के

सर्वत्वाव उ ससहा नूद स उहस गुकम्यास नूपकमव मिदिह ॥ ॥
मि खरुवस असक नाह चिवा साखनयवा कलिनवासावनक सलहि
नक ॥ ॥ कसुवि नासिह सर्वत्वाव गमघास गुकम्याल नूपकमव
कवसिक उ पसुला मूस कर्कटासि दवा नम हकजिसि समराग
कलिनवासावनक हि कवव भासाक पतका दवधननास ॥ ॥
मसवमसह पिपसि उ उति उह नउ ॥ ॥ नूनि जिसि पसान गमस उर
या रिनक पाकयाह पाक सवासुसुकाय गमउविन ग्वशनक दूतभा

पत रोग्यां रविन वावया दालसर्तुया वया क्रिदवद्यालया दालया
 साकनास ॥ ॥ वकन विहसूद नापक्यादवाय सातिददादयासा
 निव ॥ ॥ कवसिकउ खयलवानयाद दालसातनाव हिमजिवसंहा
 य ननानसा निव ॥ ॥ वससमाया दाल संहादियावयाय दालस
 उदावयासाद ॥ ॥ रालयालुसि मामववनमसियककाषायक नू
 धिनिवावया ॥ ॥ दाल नपप वाक धालयायासा धनसमरागयाद
 नक यमसायन धिनिवावयासा ॥ ॥ साधन माउयाकासा दाला
 सानहायक क्रिनपयास पितवावया ॥ ॥ पिपसामूस पिपसि

दउ-ववया

दिपिहाकया

नउलया

मसव गुपिधनवृ विनि साखसनवासाव सूर्यवस क्रिनक नूउलना
 स ॥ ॥ वसासवाह खापिनि कनयाय ददववयासानिव ॥ ॥ नूदस
 वाह साखापिखानयाय हिववद्यासस हितपजयिव ॥ ॥ सवसाखा
 थस खयलनस्ययाय क्रिदवद्यासस क्रिपिहावयावनोनेनसाय ॥ ॥
 मंजि हाहउ वहा नूनि पिपसि पखानवत उंरि कवसिकउ व
 नकहा समराग नूयाद लखदुडकहास्यतानक हिहस हिखिहाक
 या ॥ ॥ नूनि उंरि पिपसि कर्कटासि वउवि वनकहा वहा धः

सो क नो य यो

पनह उलया विषिहाकया जलोयक

म समरागवृत्त्यादनकं रु सकादयिव ॥ ॥ समुद्रहसुं मनि माथवि
समराग वृत्त्यादनकं नूउत्र सायनास ॥ ॥ पिपसि हनउ कसुवि ॥
ससाहान सुं विदवि व्यास नूपप समरागवृत्त्यादनकं सासव हि
व विहाकया सानिव ॥ ॥ जितहास सुवद धसिखान हनउ वहनउ
नूवस धम समरागवृत्त्यादनकं सासव हि व विहाकया सानिव ॥ ॥
वसस कर्कटासि सुं विपसि सदप्य एकात रागीहा धम समराग
पुसान गवसुजानवासावनकं साक सायनास ॥ ॥ सध हनउ पिपः

पयथानकविया

सिवायुहनस ॥ ॥ यसा खाकन साहान श्रीखलुं सिमि धम सीख
ननिर्ण साखलुन वासावतानक विरुकलनास ॥ ॥ निपतासा हि
मयाज धास वासा उलनी क्वावनि खयस कूटा विनि साखलु पाधास
पयथानकविया पाधास मिसयथाय कटिवाकलस वृन दूय ॥ ॥ म
सयाधसतासा निप इमवृन गवसुज समराग गवउ विहावनकं नूला
यककनास ॥ ॥ हकजिसि हामस एका जिसि पद वाससया वा सा
इदननस्य पाय पयतनास ॥ ॥ हि वहा एका निम्व विखसि धमरा

खान या उ। नदय् भा वा म द य के व न थ का य

गया ह धूष क क नृ हि वा स ना स नान म वा क क वा च क ॥ ॥ भा ग क ला व
वा स स द द स हा स्य न या व नृ हि स हा म स व न ता न स्य वा सा व च क न स
का य ध स स थ हा व न क ना गी या व स थ का य ॥ ॥ य म खा स ना य म स
व स्या त उ ऊ ग्व स उ ह क जि सि स म हा ग व लू या ह प सान का स थ स हा स्य
मान क स सा पि ला मि सा या थि य म न व म ह स्य वा ह रु य क भा वा म द य क
रु ला ॥ न भा ग्री क वा य ॥ ॥ का व नि नु का ॥ ॥ सि मि स्वा द स म हा ग या ह स्वा
स वा य उ नि रि न क रु ला ॥ ॥ जि त हा स उ क म्या स ह क जि सि थ न न स्य

वा स क यी या ना य व मा

थ व का व व द मा

गा ह उ लू लू क क ना स ॥ ॥ स म ष दि ग म उ न का वा व दू क लू रु का का या व द
च क न दा य क का य रु ना च दा दा या न सि मा हा स द स त थ च क न न पा य वा
सू क क ना स ॥ ॥ रि सि द मा वा द का या व सा ध न नि स्य वि नि सा ख स न
वा ला व मान क पि त वा व ना स ॥ ॥ क पू ल क र दू ध न पू स म हा ग द व
क न दा य क का य भा द व या रि ॥ ॥ कं पू न कं र दू ध नं य ॥ ॥ पि प सि न
उ त म स व ग म उ त स्य ध वि क क सि या सा स सा ख स थ न न क पि रु क स
न न्नी व पि रु ना स ॥ ॥ कं वि थ य मि स ल व द न स्य मान क थ व का व व द

वातस्याक द्रासपतसद्रूपविडविकया कर्पूरवातया
 याउरुम॥ ॥कसिबर्लखक॥सा॥षा॥धन॥सा॥खर्थ॥द॥स॥स॥द्र॥य॥वि॥द॥वि॥
 क॥पि॥हा॥व॥य॥क॥ ॥विक॥मा॥मं॥नि॥र्व॥सि॥मं॥स॥द॥सा॥स॥मं॥सि॥ला॥थ॥ति॥मं॥स॥
 स॥व॥मं॥३॥नू॥स॥प॥ता॥या॥व॥द॥ध॥स॥प॥ता॥१०॥म॥नि॥दी॥स॥स॥पा॥सा॥क॥दी॥जि॥त॥हा॥स॥
 वा॥म॥उ॥ता॥य॥ख॥य॥भा॥ग॥स॥ग्व॥१०॥ध॥न॥स॥म॥रा॥ग॥व॥रू॥नि॥र्व॥सि॥प॥ति॥क॥न॥नि॥य॥
 मा॥स॥द॥ध॥क॥न॥क॥ध॥क॥न॥दु॥दा॥दा॥य॥का॥व॥वा॥स॥स॥क॥य॥ह॥न॥दु॥दा॥दा॥य॥क॥दु॥
 दा॥व॥ता॥क॥प॥स्य॥त॥ध॥ध॥क॥न॥न॥न॥हा॥स॥स॥पा॥य॥स॥म॥क॥क॥क॥स॥क॥म॥उ॥स॥
 ना॥स॥ ॥सं॥का॥न॥कु॥लि॥या॥ह॥ख॥मा॥स॥ता॥वा॥हा॥प॥द॥व॥दा॥थ॥का॥ध॥क॥न॥

तव कर्कश सर्वकसियां रकुमन्दरया द्रासक्रिजो वया
 दायर्कच्छाय तव कर्कश नास॥ ॥सं॥रा॥र्षि॥वि॥ख॥य॥स॥हि॥द॥का॥स॥ध॥स॥द्रा॥स्य॥पा॥
 य॥वा॥त॥स्या॥क॥या॥लि॥ ॥क॥य॥दा॥नू॥य॥सि॥न॥ह्या॥य॥नू॥स॥स॥क॥क॥या॥लि॥ ॥
 क॥स॥क॥दु॥स॥नू॥ज॥स॥रू॥या॥व॥उ॥स॥मि॥खा॥स्या॥क॥या॥लि॥द॥ ॥ज॥क॥सि॥या॥व॥क॥
 स॥धा॥सा॥वा॥य॥ध॥या॥न॥न॥का॥य॥मं॥३॥ध॥न॥सा॥न॥मं॥३॥ह॥क॥जि॥स॥मं॥३॥उ॥ना॥ल॥मं॥३॥
 य॥उ॥ना॥ल॥मं॥३॥वा॥स॥स॥दू॥न॥व॥क॥न॥या॥दा॥य॥र्क॥च्छा॥य॥क॥प॥न॥वा॥त॥ना॥स॥ ॥
 क्रा॥स॥वा॥पा॥ह॥क॥जि॥सि॥सा॥ध॥र्थ॥द॥द्रा॥स॥क्रि॥जा॥व॥ना॥स॥ ॥क॥र॥सू॥दा॥व॥व॥
 द॥व॥दा॥नू॥१०॥रू॥प॥य॥हि॥स॥स्य॥ध॥व॥स॥म॥रा॥ग॥ध॥म॥था॥स॥स॥वा॥स॥न॥न॥

पाउं यो न यानि, साया मउ

क्रसनमता वया मिहिनि मिखा रणा लाल यो ता व वया

स्यं सा षथंठ, क्रसनमता वया ता यिव रुसा ॥ ॥ पिउत क ना यहा, ग्वसा व
न, वतिनी दय का व, वृत्तिलूव, मिखा रणा क ना स ॥ ॥ सा ख स, स्यं ध व, जि
सि खान वा स, सा धन न स्यं थंठ, स्वत्तिलूव, मिखा रणा क ना स ॥ ॥ सम ष
सि, रिम ना ज, सा ष हा व, क्रो ता स त स्यं, मिह वा स हिह ॥ ॥ क क सि धा स
वा, क्रो ता स त स्यं, मिह वा स हिं ॥ ॥ उप स हा, उं रि वा स, न क व न न, म
रु, धा क न दा स्यं ता द, छि ता म २, वा त पि रु ना स ॥ ॥ त व स स ख न स ख न
न स्यं, य म खा स, वि नि सा ख स न हा स्यं ता न क, मिहि नि ना य ना स ॥ - ॥

लाल पि हा व वया दे दे पालि था तां २ व वया

धे नि पा य नि न पु क या ॥ ॥

दे दे स ल पे क या पू य न दा ल या थ क भा ल दा ल ता उ पि हा व व
स धू, प ट ध स, द व क न दा य का व व य, स स द र्ता द या ॥ ॥ म स व, स धू
स सा ग या द न स्यं, पु ष पि वा सि, हा क का स उं य ॥ ॥ म ऊ पा त, सा इ इ स
न स्यं पा य, ला स पि हा व व या सा नि व ॥ ॥ व या रू रि मि, व क न दा य कः
का य, पू यि म र्थि धा स या हि ह ॥ ॥ व रु ल, द व क न दा य कं का य, कं क स
स ध क या हिं ॥ ॥ उ ना नू या हा, धा ना सि या हा, स व ना स्वा थ न या हा, कं व ह
नू उ, ख य स, ध म ल ख न न स्यं पा य, थू क, भा स या क, ला उ पि हा व व थ म
सा नि व ॥ ॥ ग्व सा व न, मा हा नि, ना सा पू रि, सिं ध व, गु गु रि स म र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ हस्तसंख्याविकासमन्त्रिनयः ॥ श्रुतिपेदात्रयाद्य ॥ ध्यामात्रनपादू ॥ पा
दूधामात्रनवि ॥ वायामात्रनवाकू ॥ किञ्जालायामात्रनकातलधनि ॥ धः
त्रियामात्रनस्थधू ॥ म्बावयामात्रनवि ॥ अस्यामात्रनस्थधूं ॥ मुनिन
य ॥ कोनाधनियामात्रनग्वलज ॥ स्वाङ्गायामात्रनहृवउस्वादूलखन
काव्य ॥ नातिमहिद्याल्लवलूनय ॥ लूपयामात्रनकलि ॥ कलियामा
त्रनजिस ॥ सकयामात्रनजिरुलात्रसदायकावमानक ॥ पाङ्कयामा
त्रनहामलज ॥ गमलजवनय ॥ गमलजायामात्रनसूहाद्दमान ॥ ल

कामि इह स पुराणं नो नैष पुराणं नैष पुराणं

भोग्या कया मन्त्र

खया मावन मस्रव कस्तिनवा लावन य ॥ महिध विद्या मावन हन ७ ॥ हि
दया स्मृत न हामस ॥ जित हस्त या मावन जित ॥ जील या विकार सप
सु कान य ॥ पसु का या विकार सस मस्र न य ॥ मस्र स या मावन वसिल
खमान ॥ धस या मावन सुहा इह मानक ॥ वकन या विकार सस कथदा
कृ यावन य ॥ धं या मावन ८ न ॥ धन मावणा ॥ ॥ धना विषया स ॥ वि
वला कवन य विषया स ॥ विव लस ववन य विषया स ॥ स्वावध विव व्याक
दावन य विषया स ॥ ॐ नाकं नाकं दीपे नाकं समनाकं पंडान सु नं हरा सतजा ॥
५१२१ जयन पं क्रास स धनं तस्या कया ॥

भा.

रुक्मिणममाधिरा ॥ ग्राह्यार्थ ४ ॥ नास ॥ अर्थ ॥ पूजा आत्मपूजा ॥ दात्रपूजा ॥ ३ नन्दिन
शा ३ गंगथे २ ॥ ३ मला लाय २ ॥ ३ यमूना य ॥ ३ गङ्गा य ॥ ३ सत्र स्वये २ ॥ ३ दात्र
ये २ ॥ ३ दहल्ये २ ॥ ३ वास्वाधिय तय २ ॥ आवाहनादि ॥ पुनः पूर्वोदि दात्रपूजा ॥ ३ रुडा
य २ ॥ ३ सुहृदाय २ ॥ ३ वलाय २ ॥ ३ पुत्राय २ ॥ ३ विष्णवे २ ॥ ३ ऊयाये २
॥ ३ विजयाये २ ॥ ३ गङ्गाय २ ॥ ३ गुप्तये २ ॥ ३ आधात्र सनाय २ ॥ ३ नना सना
य २ ॥ ३ सिंहाय २ ॥ ३ यन्मा सनाय ३ नाय सय ३ ३ यन्मा सनाय ३ कना सना
य २ ॥ ३ कर्तुका सनाय ३ आवाहनादि ॥ ३ धर्माय २ ॥ ३ ज्ञानाय २ ॥ ३ वेना सनाय ३
नार

मालमं
पिपि
वेदे
संप्र
गुप्त
सि
खंड
पषां
सि
रूप
प्रमं

मिजाय २ ॥ उजमदमय २ ॥ उवनिष्टाय २ ॥ उकमपाय २ ॥ उगमय २ ॥ उगपाति
काय २ ॥ उजूय २ ॥ उजूरंधली २ ॥ उसंवर्त्ताय २ ॥ उजूगिनेष्ट २ ॥ उदकाय २ ॥ उसा
गनपाय २ ॥ उहानीनाय २ ॥ उयारूवल्काय ॥ उआपलं वाय २ ॥ उनीलाय २ ॥ उलिवि
नाय २ ॥ उकाहायनाय २ ॥ उयुवनाय २ ॥ उयनागनाय २ ॥ उआवाहनादि ॥ उमा
कंदयाय २ ॥ उसांलीकाय २ ॥ उसाकल्याय २ ॥ उजूगल्याय २ ॥ उविष्णुकर्म २ ॥
॥ उगमय २ ॥ उहार्नवाय २ ॥ उचवनाय २ ॥ उजूवनाय २ ॥ उडोवाय २ ॥ उजूषा
वकाय २ ॥ उमाधुवाय २ ॥ उमालिवाय २ ॥ उविप्रवस २ ॥ उकीनिकाय २ ॥ उशो

लडां
च
जि
ल
यते
कल
सफ
तो
षाल
शम

नकाय २ ॥ उमौगल्याय २ ॥ उधोम्याय २ ॥ उवदनीकाय २ ॥ उमनिकाय २ ॥ उकीनिल्याय
२ ॥ उवासाय २ ॥ उमधुवाय २ ॥ उलामसाय २ ॥ उकल्याय २ ॥ उमषागमय २ ॥ उवालीक
य २ ॥ उवीधाय २ ॥ उपिपल्लाय २ ॥ आवाहनादि ॥ आदिशा
॥ उरून्दादि ॥ उय ॥ उजून्वि ॥ उवि
॥ उम ॥ उवडुर्वदाय २ ॥ उवडुर्गमय २ ॥ उका
॥ उम ॥ उदि ॥ उना ॥ उक ॥ उम
॥ उशं ॥ उजू ॥ आवाहनादि ॥ कलगपूजा ॥ उव ॥ उ

त्रिकराः वीतता स्वहोगं सावो
मनसः पिपतिः सुविजितः सा कुजितः सुमनः सुवाचुलः सा प्रधाता
धतिस्वानरणी, वेदविधुतं स्मरागवृष्ट्या दंक्वा कलं स्वतः सा संतो
न केऽप्यतस्या का हस्तन उता न जग्निमेत सति द॥ ।

। मन्दर्पादय

॥ आगच्छ मुनिमर्दूलनं जात्रा निमदा मुनिः । गृहमागच्छ मया दहं विष्णु रूपनमा कुत ॥
आवमन ॥ स्नानानि विविधानि नयच्च उडिमवाप्यतः । रुद रुदावमनीयं अगच्छ पुति
गृह्णी ॥ यंदन ॥ दापा नरसु मृत्युर्नंदवानो च सुदृष्टं ॥ राजानं सर्वं कदा मय
दने पुति गृह्णी ॥ श्रीदूत ॥ वीरावीरमहावीरवीरगणसुमन्विता ॥ वीररुतिगृ

हा हा त्वं गच्छी नैव नंदद ॥ यज्ञाय वीर ॥ सफत कुसुमाय कृत्वा निर्मितं पुत्रा ॥
ॐ दं यज्ञाय वीरं गुहृहा न मुनिर्पुंगव ॥ माल स्नान ॥ नमो ह नवदं वं कुरु या नि
समरुव । सानदानि वपुष्या निगृह्णा न मुनिर्पुंगव ॥ इवा कृत ॥ काग पृथ ॥ दूधा
पृथ ॥ उका

॥ ॐ

॥ गच्छान ॥ गृही श्ववीरं याग न जा नी पृथ

समरुव ॥ नाना पृथ र्गं का श्या पृथ मालो पुति गृह्णी ॥ जानी पृथ ॥ र्गं (वेद्य
कम पृथ ॥ र्गं (मरुते ॥ र्गं माली र्गं लि (श्वेव पूजय कुरु या निर्गं ॥ वक्र ॥ विनय
नरुग स र्गं विरूप मूप जायत ॥ एत द्रु मया दहं न सर्वं स रुली कुरु ॥ पद्म ॥
। एत ॥ एतं पुन्दरीकं (एत कमल (मरि तं ॥ एत मं वृज पृथ वपद्म पृथ व

मासु ॥ ३ ॥ तल ॥ नीला तलानिपूष्या भिषा धिस्तु सदिन ग्यति ॥ विष्ठा पितृ नरान
स्य नीला तलानमासु ॥ ४ ॥ मने ॥

॥ धूप ॥ धूवा यं दवद वं म व दनामु निर्मितं ॥
हामरुगवन्दे वगर्कं रूयानिनमासु ॥ दीप ॥ अग्निर्ज्ञानि विष्टो विष्टो अति
रुये वरा त्वभवत्तु वं अती ती दीपायं पुनिष्ट अती ॥ नेवेष्ट ॥ पद्मपत्र विष्ठा ला ह
विष्ठा न्कल्लमपिना ॥ दंष्ट्र हामने वं विष्ठा त्वन नमासु ॥ हलपकान्न ॥ या
तिनामानि रूयानि यथा मूल हलानि य ॥ नृपुष्टो य हामने लाङ्ग नं तपुकल्पितं
॥ अर्घ्य ॥
सकवीर्षी यत्र मस्त्व म्नी नीकपि ला मूनि ॥ पयत्र तद
लायने रक्षा यं पुनिष्ट अती ॥ साकना पुष्टि कदविलायामुष्ट पतिवृक्ष ॥ हामर्ष
मयादलं ॥ पिता र्थं वदहिम ॥ ॥

॥ मसुल ॥ मू

॥ अत्र ॥ कुंम

॥ कुंम मासु लयुक्त नशु र्खं दामादनायच ॥ नमादि वी
ननागस नमादिव सु रूपिने ॥ विष्ठा यवा प्र दवाय रुत्रय क नवायच ॥ ननादना
यहूयमा धवाया यो नायच ॥ स्वरूपायच सोम्या य सोम्या मूर्द्धि धवायच ॥ नमा
यस्त्राधिदवा नमाय स्त्री गधात्रि ॥ नमः सरुप्र मित्रस समुद्र जल मपिना ॥ स
रुप्रपा दाय दवाय सरुप्रनय नायच ॥ सरुप्रामनपू अय सरुप्रामनपू अय ॥ नमा
नमस्तु क रूपायच क रूपायच नायच ॥ नमस्तु विष्ठा रूपायच नमस्तु जीपतं पुष्टा ॥ अ
मानग रूय मूनिर्पुंगव नकुह काग क्कायु नायच दयस्तु व क नमासु ॥ विष्ठा दिव्य
नपद्रुत्व मसीह लोक वातापि देव तनुरु क क नमासु ॥ पा ॥